पहचानें मन की अद्भुत शक्ति को

आप इस दुनिया में, यह आपसे दिल से प्रार्थना है, कि यदि कोई भी कार्य करें, तो वह विश्व कल्याणार्थ ही हो, तभी आपकी किसी भी शक्ति का प्रयोग सार्थक है। नहीं तो दुनिया की तरह किसी भी बात की सिद्धि,आपके अंदर, अहम् को जन्म देती है, जो आगे चलकर एक बड़ा रूप धारण करेगी, जिसमें आपके अंदर किसी की बात भी नहीं जायेगी।

भक्ति में जितने भी भक्त हुए, उन्होंने कल्पना मात्र से, भगवान से, उन अपने इष्टों का चित्र अपने मानस पटल पर बनाकर अनेकानेक प्राप्तियाँ करते रहे। जिसको उन्होंने सिद्धि का नाम दिया। नाम लिया, देवी हाज़िर। इस क्रिया का प्रयोग आप अपनी ज़िन्दगी को बेहतर बनाने में कर सकते हैं।

आप जब अच्छे कार्य हेतु अपने मन के पर्दे पर उसके प्रति भाव लाते हैं तो, समझो वहीं से कार्य होना प्रारम्भ हो जाता है। अंतर यह है कि आपको बस अंदर यह कॉन्फिडेंस डेवलप करना है, जो मैं चाहता हूँ, वो हो रहा है, लेकिन यदि उसमें थोड़ा भी ऊपर नीचे भाव हो, तो वह कार्य होता तो है, लेकिन उसके होने की संभावना में परसेन्टेज वाइज़ फर्क पड़ जाता है। इसलिए दृढ़ता की शक्ति डेवलप करने के लिए आपको निश्चय करना आना चाहिए।

इसका तरीका यह होता है कि आप बार-बार उसे लूप में रिपीट करें। अर्थात् पक्का करें। पक्का होने की भी कंडीशन है, कि आपने संकल्प किया, क्या वो अपने लिए है, या संसार के कल्याणार्थ है। उसी आधार से उसके अंदर तीव्रता आयेगी।

अगर विश्व कल्याणार्थ होगा, तो उससे आपके ऊपर स्वत: ही विश्व की सारी शक्तियाँ आपका कल्याण करेंगी। जिसमें नि:स्वार्थ भाव, उसके संकल्प भी तो ऐसे ही होंगे।

आज तक विश्व में जो भी महान हुए, उन्होंने ऐसे ही संकल्प उत्पन्न किए होंगे, जिससे लोगों की जबान पर उनका ही नाम होगा। आप कोई भी कार्य में थोड़ा, शेयर करो, कन्ट्रीब्यूट करो, दुनिया भी आपके कदमों पर चलने की कोशिश करेगी।

ओमशान्ति मीडिया वर्ग पहेली-17-2017

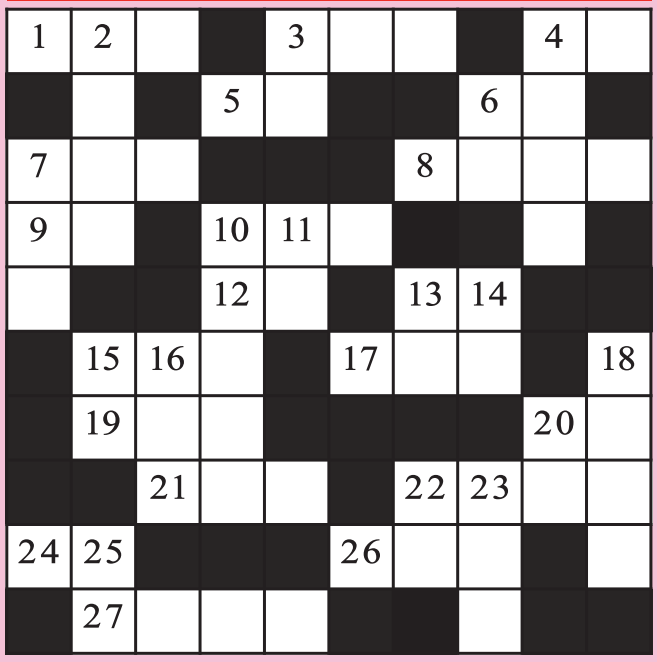

बनें विजेता : पहेली के कॉलम को काटकर व पेपर पर चिपकाकर उसके साथ उसका जवाब लिखकर हमें इस मीडिया के पीछे लिखे हुए पते पर भेजें। एक वर्ष के भीतर पूछे गए सभी पहेलियों में जिसका सबसे ज्यादा सही जवाब होगा उन्हें विजाताओं के लिस्ट में शामिल किया जाएगा और वर्ष के अंत में उन्हें आकर्षक ईनाम दिया जाएगा। इसलिए पहेली को ध्यान से पढ़िए, समझिए और भेज दीजिए हमारे पास उसका सही जवाब लिखकर और बनिए वर्ग पहेली के 'विजेता ऑफ द ईयर'।

पहेली की फोटो कॉपी या पोस्ट कार्ड पर भेजा गया पहेली का जवाब मान्य नहीं होगा। पहेली का जवाब भेजें तो उस लिफाफे पर आप अपना भी पूरा पता अच्छी लिखावट में लिखें, अपना मोबाइल नम्बर और हो सके तो अपना ई.मेल आईडी भी लिखकर भेंजें ताकि हमें पहेली का विजेता चुनने में कोई कठिनाई ना हो।

ऊपर से नीचे

2. मनमोहक, आकर्षक (4)
3. ....की रीति निभाने का सहज तरीका (2)
4. नित्यप्रति किया जाने वाला कर्म (4)
6. कीमती सामान, धन-सम्पत्ति (2)
7. मुकाबला, होड़, प्रतियोगिता (3)
10. माया बड़ी....है, बड़ी प्रबल है (5)
11. दशा, स्वास्थ्य, कुशल मंगल (2)
13. गीता, आर्द्र (2)
14. लीन, मग्न (2)
15. खास भारत....सारी दुनिया को पावन बनाना है (2)
16. पैर, पग, पद्चिन्ह (3)
18. फिर तो तुमको नीचे....ही है कला कमती होनी ही है (4)
20. अवसर, संयोग (2)
22. ज़्यादा, अधिक (2)
23. प्रतिलिपि, अनुकृति (3)
25. किस समय, कभी (2)

बायें से दायें

1. रिश्ता, नाता, सम्बन्ध (3)
3. ....आन मिलो, साजन (3)
4. सतयुग और त्रेतायुग है ब्रह्मा का....(2)
5. बुद्धि, अक्ल, राय (2)
6. नाम....शान की बीमारी से मुक्त बनो (2)
7. श्रावण मास (3)
8. एकरस स्थिति अर्थात् सदा अचल....नहीं (4)
9. मनाही, इन्कार (2)
10. संसार, जगत, दुनिया (3)
12. ताकत, शक्ति (2)
13. ....से नारायण नारी से लक्ष्मी (2)
15. आना, आने की क्रिया, आगमन (3)
17. .....अर्थात् श्रेष्ठ मत (3)
19. कदम-कदम पर....तुम्हारी ये एहसास (3)
20. मृत्यु, दम तोड़ना (2)
21. ....सिंहासन पर हम आत्मायें, भाल (3)
22. ज्ञाता, जानने वाला (4)
24. मेरा तो....शिवबाबा दूसरा न कोई (2)
26. भगवान में विश्वास करने वाला (3)
27. ....के दिन भुला न देना, बालपन (4)

- ब्र.कु. राजेश,शांतिवन

गाज़ीपुर-उ.प्र.। महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित शिव संदेश शांति यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना करते हुए चेयरमैन विनोद कुमार अग्रवाल, महंत अखिलेश्वरदास जी, सरदार दर्शन सिंह जी, गोपाल सिंह यादव, ब्र.कु. निर्मला तथा अन्य।

झालावाड़-राज.। महाशिवरात्रि पर शिव ध्वजारोहण के पश्चात् शुभ प्रतिज्ञा करते हुए भाजपा के जिला अध्यक्ष संजय जैन, महिला बाल विकास अधिकारी डॉ. सैयद, मेडिकल कॉलेज के असिस्टेंट डीन डॉ. दीपक गुप्ता, गायनिक एच.ओ.डी. डॉ. मंजू अग्रवाल, मानव अधिकार अध्यक्ष विजय पोरवाल तथा अन्य।

लखनऊ-उ.प्र.। सिटी मोन्टेसरी स्कूल गोमती नगर में महाशिवरात्रि पर आयोजित 'गॉड्स विज़डम फॉर वर्ल्ड ट्रान्सफोर्मेशन' कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. जयंती। मंचासीन हैं ब्र.कु. राधा, लखनऊ के बिशप, ब्र.कु. मोहन सिंघल, जस्टिस शबिहुल हनैन, आर.के. मित्तल,आई.ए.एस., नवाब ज़फर मीर, राजेन्द्र बग्गा तथा अन्य।

कोटा-वल्लभनगर(राज.)। महाशिवरात्रि महोत्सव में इनकम टैक्स कमिश्नर डॉ. रनसिंह को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. उर्मिला।

आगरा-कमला नगर। 'पारिवारिक जीवन में सुख शांति समर्थी के लिए राजयोग की आवश्यकता' विषयक कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. रामनाथ,मा.आबू। साथ हैं ब्र.कु. शीला तथा अन्य।

दिल्ली-पंजाबी बाग। त्रिमूर्ति शिव जयंती के अवसर पर आयोजित प्रभात फेरी के साथ उपस्थित हैं ब्र.कु. कोकिला।